राष्ट्रीय हिन्दी मेल, भोपाल

12 JAN 2015

शिवराज दिल से ....

आओ योग करें हम !

भोपाल। योग मनुष्य के अंदर सर्वश्रेष्ठ जागृत करने की विद्या है। विश्व समाज के लिये यह भारत भूमि का अदभुत उपहार है। आज योग विधा के सुफलों को पूरे विश्व ने स्वीकार किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मानव कल्याणकारी और रचनात्मक पहल से अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की घोषणा हो चुकी है। योग मानव मात्र के कल्याण के लिये है चाहे वे किसी भी समुदाय के हों और विश्व में कहीं भी रहते हों। योग एक आध्यात्मिक विज्ञान है और इसी रूप में पूरे विश्व में इसे मान्यता मिली है। हर देश का नागरिक इसे अपना सकता है।

मध्यप्रदेश में हमने 2007 से शासकीय स्कूलों में सूर्य नमस्कार के माध्यम से योग दीक्षा की शुरूआत की थी। स्वामी विवेकानन्द के जन्म दिवस को हमने युवा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। अच्छी शुरूआत के फलीभूत होने में समय लगता है। इस पहल का उद्देश्य यह था कि न सिर्फ युवा पीढ़ी स्वस्थ रहे बल्कि वह भारत की सदियों पुरानी अमूल्य योग परम्परा से भी एकाकार हो सके।

योग दिनचर्या में शामिल हो जाये। इस पहल के उत्साहजनक परिणाम मिल रहे हैं। प्रति वर्ष एक करोड़ से अधिक बच्चे और पालकगण सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में शामिल होते हैं। हमने इस कार्यक्रम को स्वैच्छिक रखा है। प्रसन्नता का विषय है कि सभी वर्ग और समुदायों के बच्चें और पालक इसमें शामिल हो रहे हैं। प्रदेश में शालाओं में योग शिक्षा के लिये शिक्षकों को प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है।